संख्या-202/2018/2955/22-2-2017-17(771)/2017

प्रेषक,

सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 **लखनऊ : दिनांक 27 फरवरी, 2018**

विषय:- केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी मुन्नालाल दुबे पुत्र श्री सुखवासी दुबे, निवासी जनपद-कानपुर देहात वर्तमान जिला कानपुर नगर की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्यालय कारागार के पत्र संख्या-40361/प्रोबेशन-3/फार्म-ए(एम 02.05.2017) दिनांक 09.11.2017 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- आपके उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी मुन्नालाल दुबे पुत्र श्री सुखवासी दुबे, जो बछना, थाना-बिल्हौर, जनपद-कानपुर देहात वर्तमान जिला-कानपुर नगर का निवासी है। बन्दी ने भाई सुरेश से गांव की भूमि बेचने हेतु दबाव डाला जिसका दूसरे भाई नन्द किशोर ने विरोध किया जिससे नाराज होकर बन्दी ने दिनांक 29/30.07.1993 की रात्रि 1:30 बजे नन्द किशोर की सोते समय फावड़े से गम्भीर चोटें पहँचाकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-553/1993 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कानपुर देहात के आदेश दिनांक 16.03.1994 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 24.10.2017 तक 23 वर्ष 07 माह 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 44 वर्ष 07 माह 22 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह अंकित किया गया है कि बन्दी ने भाई सुरेश को गांव की भूमि बेचने हेतु दबाव डाला जिसका दूसरे भाई नन्द किशोर द्वारा किया गया। इसी बात से नाराज होकर दिनांक 29/30.07.1993 की रात्रि में नन्द किशोर की सोते समय फावड़े से गम्भीर चोटें पहँचाकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजने होने, परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त न होने, इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत गम्भीरता पूर्वक पुनविचार करते हुए यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in

धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी मुन्नालाल दुबे पुत्र श्री सुखवासी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है।

3- उपर्युक्त वर्णित तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि बन्दी मुन्नालाल दुबे (बन्दी संख्या-26588) पुत्र श्री सुखवासी दुबे, निवासी जनपद-कानपुर देहात वर्तमान जिला कानपुर नगर के फार्म-ए पर यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोबेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्यक् विचारोपरान्त उसे मुक्ति का पात्र नहीं पाया गया है। अतएव उक्त बन्दी की लाइसेन्स पर मुक्ति शासन द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। तदनुसार उसके फार्म-ए पर शासन के आदेश अंकित करके एतदद्वारा वापस लौटाया जा रहा है। कृपया प्राप्ति स्वीकार करते हुए शासन के निर्णय से बन्दी को तत्काल अवगत कराने का कष्ट करें।

संलग्नक: यथोपरि।

(बन्दी का फार्म-ए एवं समस्त पत्रादि सहित)

भवदीय,

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

संख्या-202/2018/2955(1)/22-2-2017, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, जनपद-कानपुर नगर।
2- वरिष्ठ अधीक्षक, केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़।
3- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार विभाग को मा0 मंत्री के सूचनार्थ।
4- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(कलाम मुहीउद्दीन)
उप सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

शासनादेश सख्या-202/2018/2955@22-2-2017-17(771)/2017

दिनांक 27 फरवरी, 2018 का संलग्नक

सरकार के आदेश

केन्द्रीय कारागार, फतेहगढ़ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी मुन्नालाल दुबे पुत्र श्री सुखवासी दुबे, जो बछना, थाना-बिल्हौर, जनपद-कानपुर देहात वर्तमान जिला-कानपुर नगर का निवासी है। बन्दी ने भाई सुरेश से गांव की भूमि बेचने हेतु दबाव डाला जिसका दूसरे भाई नन्द किशोर ने विरोध किया जिससे नाराज होकर बन्दी ने दिनांक 29/30.07.1993 की रात्रि 1:30 बजे नन्द किशोर की सोते समय फावड़े से गम्भीर चोटें पहँचाकर हत्या कर दी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-553/1993 में भा0द0वि0 की धारा-302 के अन्तर्गत मा0 तृतीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, कानपुर देहात के आदेश दिनांक 16.03.1994 द्वारा आजीवन कारावास के दण्ड से दण्डित किया गया है। बन्दी द्वारा दिनांक 24.10.2017 तक 23 वर्ष 07 माह 20 दिन की अपरिहार सजा तथा 44 वर्ष 07 माह 22 दिन की सपरिहार सजा भोगी गयी है। बन्दी का जेल आचरण सन्तोषजनक है। जिला प्रोबेशन अधिकारी एवं जिला मजिस्ट्रेट ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति की है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बन्दी की समयपूर्व मुक्ति की संस्तुति नहीं की है। प्रोबेशन बोर्ड की आख्या में यह अंकित किया गया है कि बन्दी ने भाई सुरेश को गांव की भूमि बेचने हेतु दबाव डाला जिसका दूसरे भाई नन्द किशोर द्वारा किया गया। इसी बात से नाराज होकर दिनांक 29/30.07.1993 की रात्रि में नन्द किशोर की सोते समय फावड़े से गम्भीर चोटें पहँचाकर हत्या करने का जघन्य अपराध कारित किया है। इस तरह के अपराधियों की समयपूर्व रिहाई से समाज में न्यायिक प्रणाली के बारे में विपरीत संदेश जायेगा। बन्दी के अपराध करने में अशक्त न होने, आगे निरूद्ध रखने का सार्थक प्रयोजने होने, परिवार की सामाजिक आर्थिक दशा समयपूर्व रिहाई हेतु उपयुक्त न होने, इसकी पुष्टि पुलिस अधीक्षक द्वारा 05 बिन्दुओं की आख्या में की गयी है। इस प्रकार बन्दी द्वारा किये गये अपराध की गम्भीरता, जघन्यता एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा समयपूर्व रिहाई का किये गये विरोध के दृष्टिगत गम्भीरता पूर्वक पुनविचार करते हुए यू0पी0 प्रिजनर्स रिलीज आन प्रोवेशन एक्ट, 1938 की धारा-2 के अन्तर्गत सिद्धदोष बंदी मुन्नालाल दुबे पुत्र श्री सुखवासी को फार्म-ए/लाईसेंस के आधार पर रिहा किये जाने की संस्तुति नहीं की गयी है। उक्त के दृष्टिगत सम्यक् विचारोपरान्त शासन द्वारा बन्दी की फार्म-ए के आधार पर समयपूर्व रिहाई **अस्वीकार** किये जाने का निर्णय लिया गया है।

(सूर्य प्रकाश सिंह सेंगर)
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.nic.in